

B-344

L-02

G. G.

1. महा विस्फोट सिद्धांत - सबसे मान्य विचार
20th शताब्दी के प्रारम्भ का विचार
साक्ष्य 1970 ।

CoBE Explanation

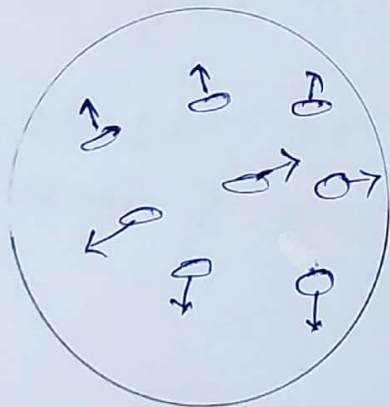
↓

Cosmic Background Explanation

2. स्फुटित ब्रह्माण्ड सिद्धांत (आर्थर एडिंगटन) / बोलन सिद्धांत
Big Crunch

3. एम्पीर अवस्था सिद्धांत - थॉमस गोल्ड और हरमन बॉन्डी
बिग बैंग विचार कहीं से आया ?

जीमान हबल के अनुसार -



- असंख्य आकाशगंगा हैं।
- आकाशगंगा एक दूसरे से दूर जा रही हैं।
- प्रकाश के तरंगदैर्घ्य का अध्ययन किया।
- सब एक केन्द्र से आये हैं।

L.

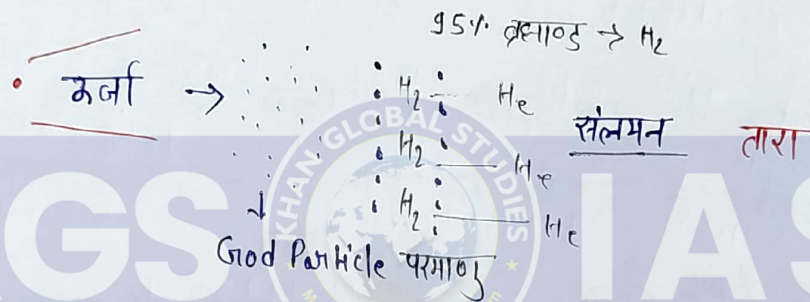
- महा विस्फोट सिद्धांत - ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति एवं विस्तार का सबसे मान्य सिद्धांत है इसके अनुसार ब्रह्माण्ड एक "आदिकालिक परमाणु" के विस्फोट द्वारा हुआ। यह महाविस्फोट कहलाता है जो लगभग 13.8 अरब वर्ष अनुमानित है।

- किंतु इस सिद्धांत को चुनौती देने हेतु अन्य सिद्धांत प्रतिपादित हैं जिनमें दोहन सिद्धांत के अनुसार बिग बैंग व बिग क्रैच यानी महाविस्फोट व महा संकुचन की दो अवस्थाएं ब्रह्माण्ड की चरम अवस्थाएं हैं। बिग बैंग के कारण ब्रह्माण्ड का विस्तार हो रहा है और बिग क्रैच के कारण हमारे ब्रह्माण्ड का संकुचन होगा।

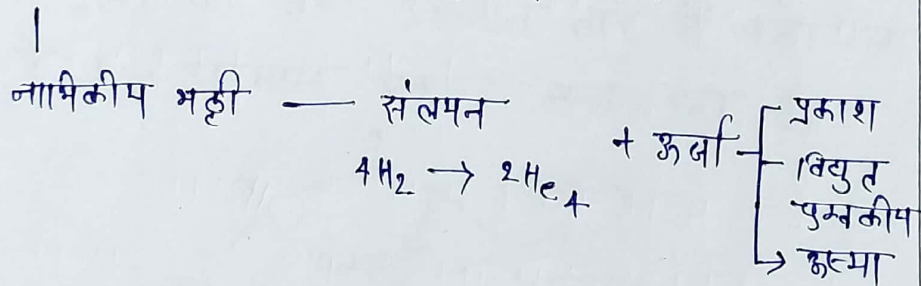
- इसी प्रकार इन विचारों से भिन्न एक अन्य विचार है स्पीर अवस्था सिद्धांत।

स्थिर अवस्था सिद्धांत :-

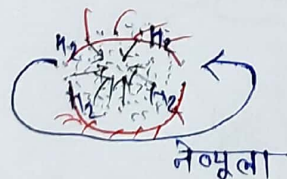
इस सिद्धांत के अनुसार ब्रह्माण्ड में स्थिर घनत्व बना रहता है। जिसमें नया पदार्थ, तारे व आकाशगंगाएं उत्पन्न हो रही होती हैं जिस पर पुराना पदार्थ अल्पाधिक विस्तार होने के कारण विलुप्त होता है।



तारा - ~~Star~~ - उदाहरण - सूर्य, ध्रुव तारा



तारा निर्माण $\rightarrow$ बिहारिका सिद्धांत — कांट

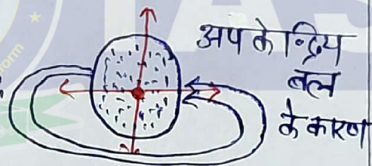


वैज्ञानिकों में कुछ स्थानों पर घूर्णित नेब्युला या निहारिकाओं का ज्वलन होता रहता है। ये निहारिकाएँ गुरुत्व बल के कारण सिकुड़ती हैं जिससे इनके केन्द्र में तापमान बढ़ने लगता है। भत्पाघीरु तापमान की अवस्था में हाइड्रोजन का संलयन प्रारम्भ होता है जिसमें हाइड्रोजन से हीलियम का निर्माण होता है जिससे तारे का निर्माण शुरू हो जाता है।

एक तारा दो बलों के बीच का संतुलन है

(i) गुरुत्व बल - जो तारे के केन्द्र में खींच रहा है।

(ii) संलयन विस्फोट बल 1%



नेब्युला का 99% द्रव्यमान तारे में चला जाता है 1% द्रव्यमान चक्कर लगा रहा है।

